

उत्तर प्रदेश पुलिस TRICK बहुप्रीति समाप्त

हिन्दी स्पेशल

हिन्दी स्पेशल क्लास



○ नाकपति

○ सहस्रलाक्ष

○ घनश्याम

○ निगोड़ा

○ नीरज

○ श्रीश

○ मयूरवाहन

○ पुंडरीक

○ वाग्देवी

○ चन्द्रमौलि

○ आशुतोष

○ मकरध्वज

○ गिरिधर

○ वाग्देवी

○ शैलजा

○ भूमिजा

○ मुरारि

○ वज्रायुध

○ अनंग

○ चन्द्रचूड़

○ लम्बोदर

○ पद्मनाभ

○ वज्रांग

○ मनसिज

निर्जन

अद्वितीय

सहृदय

तीस मार

सिरफि

शचीपात



7007734525, 9455069191

अभी ज्वाइन करें

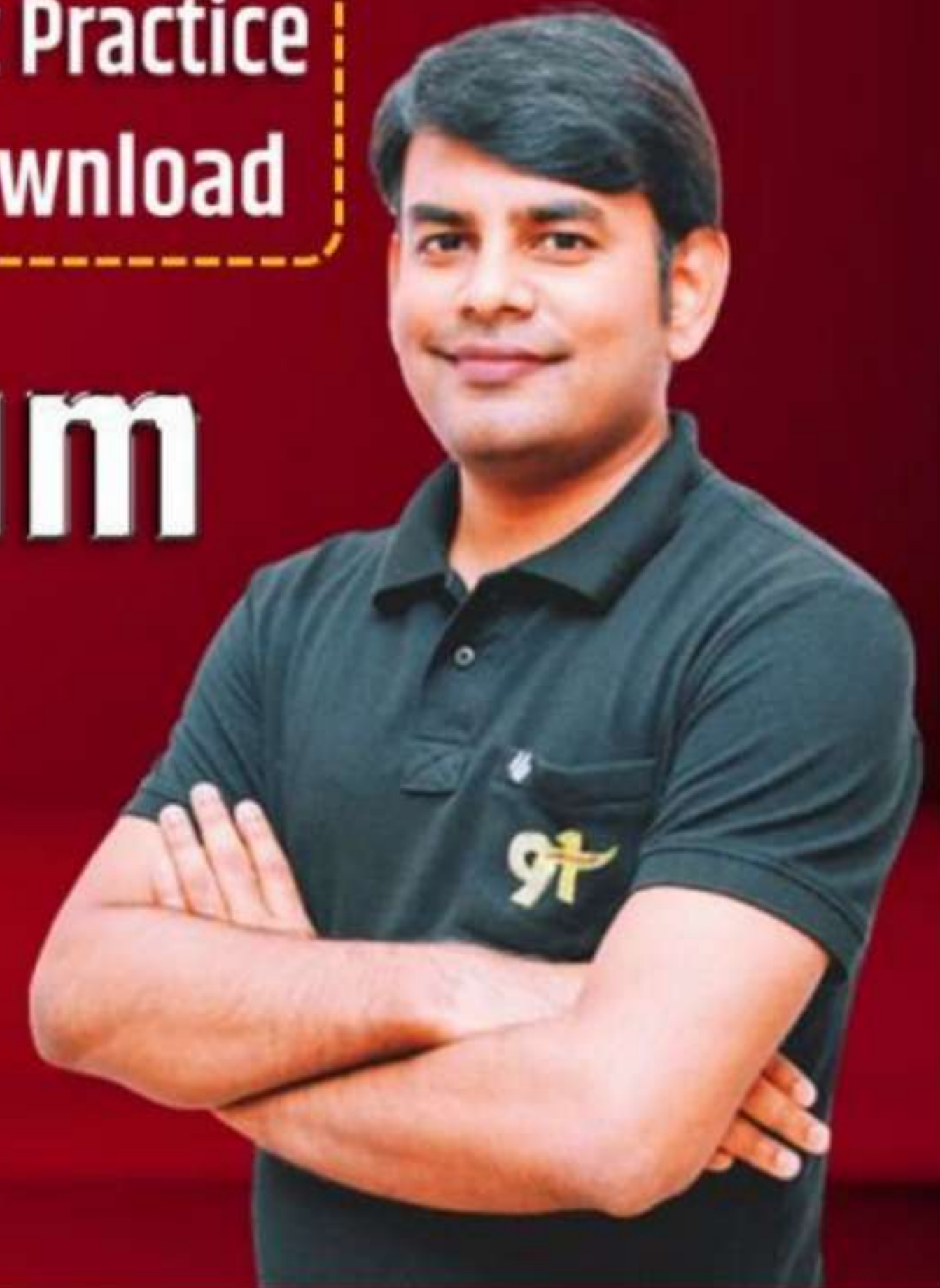
TOP SELLING COURSE

सामान्य हिन्दी

- *130+ Video Lecture
- *3000+ Quiz Practice
- *Offline Download

For All Competitive Exam

नया बैच प्रारम्भ



भाव

बहुब्रीहि समास

द्वौ पद
अप्रधान

हिन्दी

समास एवं विग्रह



* तीसरा पद प्रधान

दुमूंही *	दो मुँह हो जिसका → मादा साँप की विशेष प्रजाति
दुमूंहा *	दो मुँह हो जिसका → <u>दोगला</u> → दो तरह की बातें करने वाला
प्रज्ञाचक्षु *	प्रज्ञा (बुद्धि) जिसका - चक्षु (नेत्र) हो → <u>अंधा</u>
विहंगाव *	विहंग (पक्षी) की तरह → <u>पक्षी</u> / नक्षत्र
देवराज	देवताओं का राजा है जो → <u>इन्द्र</u>
<u>नेकनाम</u> *	नेक (अच्छा) है जिसका नाम → ✓

हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

✓ पीताम्बर →	पीत (पीला) है अम्बर (वस्त्र) जिल्फा → विष्णु
✓ दशमुख →	दश मुख हैं जिल्फे → रावण
✓ लम्बोदर →	लम्बा है उदर (पेट) जिल्फा → गणेश
✓ दत्तभोजन *	दत्त है भोजन जिल्फे → ✓
✓ प्राप्तोदक *	प्राप्त है उदक जिल्फे → ✓
✓ वज्रपाणि →	जिल्फे पाणि (हाथ) में वज्र हो → इंद्र

हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

अव्ययीकरण

बहुब्रीहि ✓

* ✓ निर्जन	जो स्थान जन से रहित है	गुरुत्व	शान	बहुब्रीहि
* ✓ अद्वितीय	जिसे लगान कोई इसका न हो			
* ✓ सहृदय	हृदय के साथ			
* ✓ तीस मार खाँ	तीस को मारकर बाने वाला			शुर्की
* ✓ सिरफिरा	जिसका लिये फिटा हुआ हो			सनकी
✓ शचीपति	शचि के पति हैं जो			इन्द्र

बहुब्रीहि समास »

हिन्दी

समास एवं विग्रह



शची

बहुब्रीहि

नाकपति	→ नाक का पति है जो	→ इन्द्र
सहस्राक्ष	→ सहस्र (हजार) हैं अक्ष (आंख) जितने	→ इन्द्र
घनश्याम	→ श्याम (कृष्ण) के रंग के घन (बादल) हैं जो	→ काले बादल
निगोड़ा*	→ काले बादल (घन) के (नग्न) हैं जो	→ कृष्ण
नीरज	→ बिना गोड़ (पैर) के	→ शिव
श्रीश	→ नीर में जन्मता है जो	→ काल
	→ श्री (लक्ष्मी) के ईश हैं जो	→ विष्णु

• जल + ज = काल

हिन्दी

समास एवं विग्रह

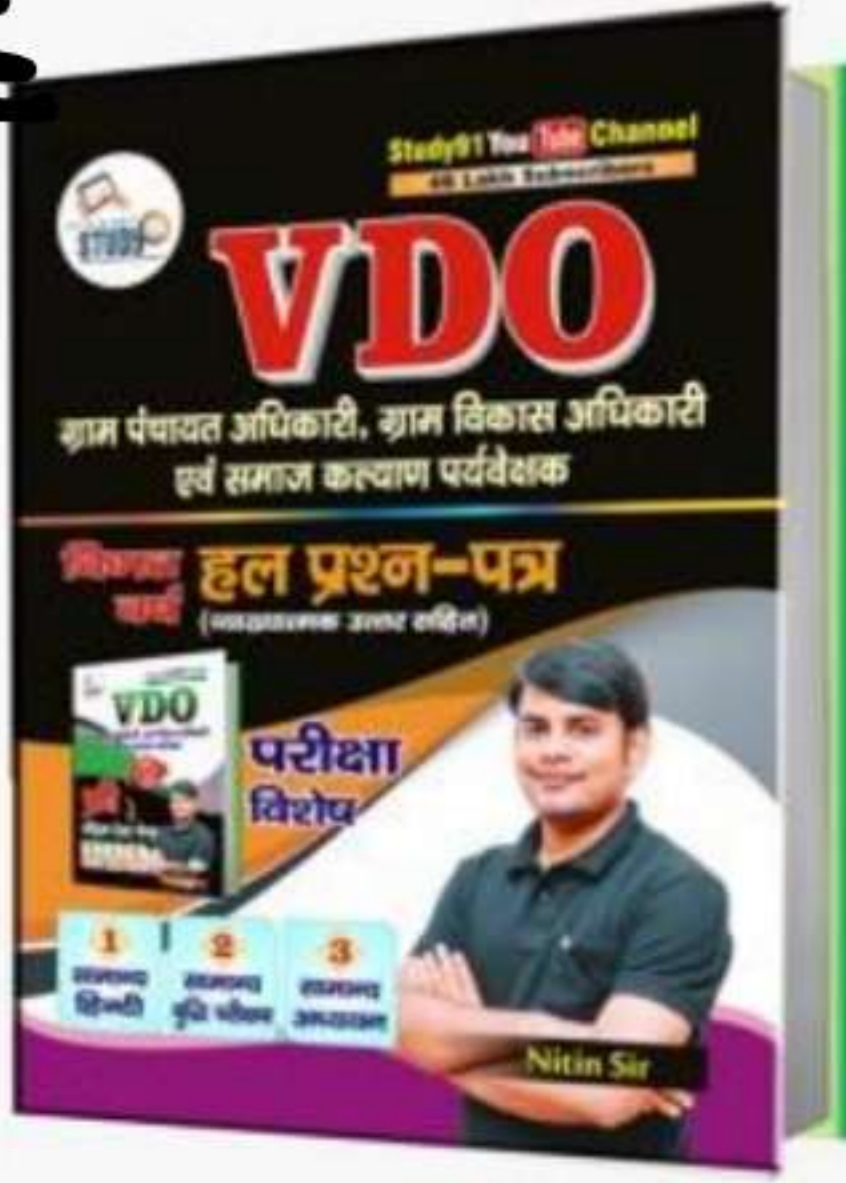


बहुब्रीहि समास »

✓ मयूरवाहन →	मयूर (मोट) हैं वाहन जिल्का → <u>कार्तिकेय</u>
✓ पुंडरीक →	कमल के समान है जो → <u>विष्णु</u>
✓ वाग्देवी →	वाक् की देवी हैं जो → <u>सरस्वती</u>
✓ चन्द्रमौलि →	जैसे मौलि (लि) पर चन्द्रमा हो → <u>शिव</u>
✓ आशुतोष →	<u>जल्दी पुत्र होने वाले</u> [अशु (जल्दी) तुष्ट होने वाले]
✓ मकरध्वज →	वह जिल्के मका का ध्वज है → <u>काकदेव</u>



500 पेज



हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

✓ गिरिधर	→ गिरि (पर्वत) को धारण करने वाला	→ कृष्ण
✓ वाग्देवी	→ वाक् की देवी हैं जो	→ सरस्वती
✓ शैलजा	→ शैल (पर्वत) की पुत्री हैं जो	→ पार्वती
✓ भूमिजा	→ अग्नि से उत्पन्न होने वाली	→ शीता
✓ मुरारि	→ मुर (राक्षस) का शरि (शत्रु) है जो	→ कृष्ण
✓ वज्रायुध	→ वज्र है आयुध जिसे	→ इन्द्र

हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

✓ अनंग →	जिसका शीर्ष न हो → कामदेव
✓ चन्द्रचूड़ →	जिसके चूड़ (जाटा/शिरे) पर चन्द्रमा हो → शिव
✓ लम्बोदर →	लम्बा है उदर (पेट) जिसका → गणेश
✓ पद्मनाभ →	जिसके नाभि से वदर (करल) जन्मता हो → विष्णु
✓ वज्रांग →	वज्र का अंग (शीर्ष) है जिसका → हनुमान
✓ हिरण्यगर्भ →	हिरण्य (सोने) का गर्भ करने वाला → ब्रह्मा

हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

✓ षण्मुख	→ षण् (६ः) गुण हैं जिन्हें कार्तिकेय
✓ दशरथनन्दन	→ दशरथ के नन्दन (पुत्र) हैं जो राम
✓ रेवतीरमण	→ रेवती के साथ रमण (धुमना) करते हैं जो बलराम
✓ सूतपुत्र	→ सूर्य का पुत्र है जो कर्ण
✓ धनंजय	→ धन की जय करता है जो अर्जुन (पृथ्वी, सम्पदा, प्रकृति)
✓ सुग्रीव	→ सुन्दर ग्रीवा (गर्दन) है जिसे वानराज

हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

✓ गांडीवधारी →	गांडीव (धनुष) को धारण करने वाला → अर्जुन
✓ युधिष्ठिर →	युद्ध में स्थिर रहने वाला → युधिष्ठिर (धर्मराज)
✓ वाचस्पति →	वाक् का पति है जो → वृहस्पति
✓ सिंहवाहिनी →	हिंद (शेर) है वाहन जिसका → दुर्गा
✓ अंगराज →	अंग (देश/स्थान) का राजा है जो → कर्ण
○ मयूरवाहन →	मयूर है वाहन जिसका → कार्तिकेय

हिन्दी

समास एवं विग्रह



बहुब्रीहि समास »

महावीर	→	महान् है जो वीर — <u>हनुमान</u>
शेषशायी	→	शेष (नाग) पर शयन करने वाली — <u>विष्णु</u>
चन्द्रमौलि	→	जिनके भौंछि (लिट/जटा) पर चन्द्रमा हो — <u>अश्विन</u>
मनसिज	→	मन से उत्पन्न होने वाला — <u>कामदेव</u> (सृजित)
कंसारि	→	कंस है जो (शत्रु) जिनका — <u>कृष्ण</u>
हिमसुता	→	दिग (पर्वत) की सुता (पुत्री) हैं जो — <u>पार्वती</u>

Foundation Batch

Call Us Now

7007734525, 9455069191

History

Modern

Geography

Polity

Science

Economics

Environment

Hindi

UP Special



1%





Thank You